भारतीय विद्या मन्दिर
कोलकाता
दिल्ली | मुम्बई | चेन्नै | बीकानेर

हमारे प्रेरणा स्रोत

स्व. माधोदासजी मूंधड़ा
(1918-1999)

बायें से - श्री अमिताभ दास मूँधड़ा, डॉ. बी. डी. मूँधड़ा एवं श्री राजीव मूँधड़ा

Bharatiya Vidya Mandir in collaboration with **Simplex Infrastructures Limited** an outstanding engineering concern has deep interest in popularising and propagating Indian culture and its various aspects. Training programme, seminars, workshops etc. are also organized jointly on various financial, social, cultural, soft skills and technical topics with the object of fulfilling corporate citizenship and social responsibility along with publication of research books & magazine 'Vaichariki'. For expanding the sphere of activity, offices have been established at Delhi, Mumbai, Chennai and Bikaner.

At present two schools – Higher Primary School and Middle School managed from Kolkata and Bikaner and an English Medium GDM Public School are imparting education by Bharatiya Vidya Mandir. Besides this Simplex Infrastructures Limited and Bharatiya Vidya Mandir also undertake the giving of technical, managerial and administrative training to supervisory staff and workmen with the support of various institutions – K. I. I. T. University (Bhubaneshwar) , I. I. E. S. T. (Shibpur), and C. I. D. C. (New Delhi) under the supervisory Training Programme so that they may also get an opportunity for career progression and development.

Bharatiya Vidya Mandir has published many important books in Hindi, Rajasthani, Bangla, Tamil, Kannad and English. It also publishes a bi-monthly research oriented magazine 'Vaichariki' . Further conferences are also organized for acquainting more and more people with the different aspects of Indian Culture, Art and Science.

भारतीय विद्या मन्दिर और कोलकाता के सुप्रसिद्ध अभियांत्रिकी प्रतिष्ठान **सिम्पलेक्स इंफ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड** की भारतीय संस्कृति के विभिन्न पक्षों को प्रकाशित-प्रसारित करने में गहन अभिरुचि है। दोनों के द्वारा संयुक्त रूप से ग्रंथों एवं पत्रिका (वैचारिकी) प्रकाशन के साथ ही सामाजिक दायित्व की पूर्ति के रूप में कार्यशालाओं एवं संगोष्ठियों के आयोजन किये जाते हैं। गतिविधियों के सुसंचालन हेतु दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई और बीकानेर में कार्यालय स्थापित हैं।

बीकानेर में भारतीय विद्या मन्दिर द्वारा उच्च प्राथमिक विद्यालय, माध्यमिक विद्यालय एवं अंग्रेजी माध्यम से जी. डी. एम. पब्लिक स्कूल संचालित हैं। भारतीय विद्या मन्दिर तथा सिम्पलेक्स इंफ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड द्वारा कीट विश्वविद्यालय (भुवनेश्वर), आई. आई. ई. एस. टी. (शिवपुर), और सी. आई. डी. सी. (नई दिल्ली) के साथ वर्कर्स ट्रेनिंग कार्यक्रम के अन्तर्गत युवकों को तकनीकी, प्रबंधकीय तथा प्रशासनिक प्रशिक्षण दिया जाकर उन्हें रोजगार भी उपलब्ध कराया जाता है।

भारतीय विद्या मन्दिर द्वारा हिन्दी में महत्वपूर्ण शोधग्रंथों का प्रकाशन किया जाकर उनके बांग्ला, तमिल, कन्नड़, अंग्रेजी आदि में अनुवाद भी प्रकाशित किये जाते हैं। संस्था की द्वैमासिक शोधपत्रिका 'वैचारिकी' में धर्म-दर्शन-विज्ञान, साहित्य-लोकसाहित्य, इतिहास-पुरातत्व, कला-लोककला से सम्बंधित शोधलेखों का प्रकाशन होता है तथा इन विषयों पर संगोष्ठियों-सम्मेलनों का आयोजन भी किया जाता है।

भारतीय विद्या मन्दिर

पंजीकृत कार्यालय

12/1 बी, नैली सेनगुप्ता सरणी, कोलकाता-700 087, दूरभाष : 033-7100 1614

प्रकाशन विभाग एवं पुस्तकालय

10, जवाहरलाल नेहरू रोड, कोलकाता-700 013, दूरभाष : 033-22282155

शाखाएं

भारतीय विद्या मन्दिर
कोलकाता

सिम्पलेक्स इंफ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड
सिम्पलेक्स हाउस
27, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता-700 017
दूरभाष : 033-2301-1504
सम्पर्क : 09830559364 (श्री शंकर लाल सोमानी)
ई-मेल : shankar.somani@simplexinfra.com

भारतीय विद्या मन्दिर
दिल्ली

सिम्पलेक्स इंफ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड
वैकुण्ठ (द्वितीय तल)
82-83, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-110 019
दूरभाष : 011-4944-4200/4300, 4932-1400
ई-मेल : suresh.pandey@simplexinfra.com

भारतीय विद्या मन्दिर
मुम्बई

सिम्पलेक्स इंफ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड
502-ए, पूनम चेम्बर,'ए' विंग (पंचम तल)
शिवसागर इस्टेट, डॉ. एनी बसंत रोड, वर्ली
मुम्बई-400 018
दूरभाष : 022-2491-3537/8397, 2492-2064
ई-मेल : sant.chandak@simplexinfra.com

भारतीय विद्या मन्दिर
चेन्नई

सिम्पलेक्स इंफ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड
48, कासा मेजर रोड, एग्मोर, चेन्नई-600 008
दूरभाष : 044-2819-5050 (5 Lines)
ई-मेल : s.mundhra@simplexinfra.com

भारतीय विद्या मन्दिर
बीकानेर

भारतीय विद्या मन्दिर शोध प्रतिष्ठान
रतन बिहारी पार्क, बीकानेर-334 001
दूरभाष : 0151-2542091
ई-मेल : bvmshodhpratisthanbikaner@gmail.com

राजस्थान में भागवत धर्म

डॉ. बाबूलाल शर्मा

प्रस्तुत ग्रंथ में सर्वप्रथम भागवत-धर्म अथवा कृष्ण-उपासना की परम्परा और उसके स्वरूप से संबंधित विवेचन किया गया है। इसके पश्चात राजस्थान के पुरातत्व एवं चित्रकला में कृष्ण विषयक अंकन का विवरण (सचित्र) देकर राजस्थान में कृष्ण-काव्य की परम्परा, राजस्थान के लोक-साहित्य में श्रीकृष्ण, राजस्थान में कृष्ण उपासक संप्रदायों के साथ-साथ राजस्थान में श्रीकृष्ण के वंशजों से संबंधित रोचक विवरण दिया गया है।

संस्करण : 2018 **पृष्ठ** 468 **मूल्य :** ₹900

ISBN : 978-81-89302-34-4

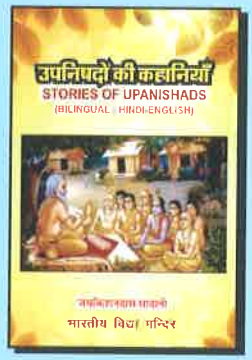

उपनिषदों की कहानियाँ

संपादक : जयकिशन दास सादानी

हमारे विभिन्न उपनिषदों में आत्मा-परमात्मा तथा सृष्टि के संबंध में गहन दार्शनिक विवेचन गुरु-शिष्य संवाद तथा कहानियों के रूप में किया गया है। इस उपनिषद रहस्य को सहज-सुबोध रूप में प्रस्तुत करने के उद्देश्य से इस पुस्तक में विभिन्न उपनिषदों से 14 कहानियां सरल भाषा में संकलित की गई हैं।

संस्करण : 2018 **पृष्ठ** 208 **मूल्य :** ₹400

ISBN : 978-81-89302-61-0

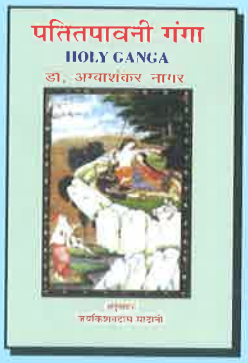

पतितपावनी गंगा (Holy Ganga)

डॉ. अम्बाशंकर नागर

अनुवादक : जयकिशनदास सादानी

डॉ. नागर ने अपनी इस काव्यकृति में अनेक पौराणिक कथा-प्रसंगों से आवश्यक तथ्य लेकर अनंतकाल से भारतीयों की जीवनशक्ति एवं गहन आस्था स्वरूप प्रवाहित गंगा को तीन महत्वपूर्ण रूपों में देखा है—नदी, स्त्री तथा माँ। इस खण्डकाव्य पतितपावनी गंगा का Holy Ganga नाम से अंग्रेजी में काव्यानुवाद श्री जयकिशनदास सादानी ने किया है।

संस्करण : 2018 **पृष्ठ** 336 **मूल्य :** ₹750

ISBN : 978-81-89302-62-7

नित्य कीर्तन रस रत्नाकर

पुष्टिमार्ग अथवा वल्लभ संप्रदाय में लीला पुरुषोत्तम भगवान श्री कृष्ण का लीला-गान प्रभु-सेवा का आवश्यक अंग है। श्री कृष्ण की विभिन्न लीलाओं से संबंधित पदों की रचना कर उन्हें ठाकुरजी को सुनाते हुए कीर्तन करनेवाले सूरदास आदि आठ कवि पुष्टिमार्ग में अष्टछाप के नाम से प्रसिद्ध हैं। प्रस्तुत ग्रंथ में ठाकुरजी की सेवा में नित्य और विशेष अवसरों पर गाए जाने वाले कीर्तनों का संकलन किया गया है।

संस्करण : 2017 **पृष्ठ** 554 **मूल्य** : ₹ 900

ISBN : 978-81-89302-35-1

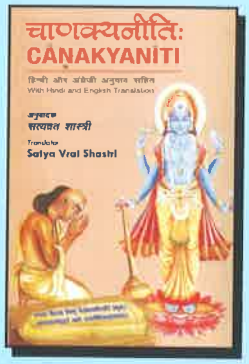

चाणक्यनीति

अनुवादक : प्रो. सत्यव्रत शास्त्री

भारतीय नीति शास्त्र की परंपरा में आचार्य चाणक्य द्वारा रचित नीति शास्त्र विशेष रूप से लोकप्रिय है। चाणक्यनीति नाम से सर्वज्ञात इस पुस्तक के संबंध में किवदंती है कि इसे पढ़ने-समझने से व्यक्ति सर्वज्ञ हो जाता है और उसे क्या करना तथा क्या नहीं करना चाहिए, उसके लिए क्या शुभ और क्या अशुभ है, यह जान जाता है। राजनीति एवं लोक व्यवहार के इस अनुपम ग्रंथ का शास्त्री जी ने संस्कृत से सरल हिंदी में अनुवाद किया है।

संस्करण : 2016 **पृष्ठ** 194 **मूल्य** : ₹ 350

ISBN : 978-81-89302-42-9

राजस्थानी राग-रस-रंग

डॉ. रामेश्वर 'आनन्द' सोनी

राजस्थान का लोक सहित्य अत्यंत समृद्ध है जिसमें लोकगीत, लोकनृत्य तथा लोकनाट्य प्रमुख विधाएं हैं। इन विधाओं में प्रयुक्त संगीत का अपना वैशिष्ट्य है जिसके विभिन्न पक्षों को इस ग्रंथ में प्रस्तुत किया गया है। इसके साथ ही राजस्थान की संगीतजीवी जातियों, लोकनाट्यों व अन्य अनेक लोकपरम्पराओं की शोधपूर्ण रोचक जानकारी दी गई हैं।

प्रथम संस्करण : 2016 **पृष्ठ** 384 **मूल्य** : ₹ 500

ISBN : 978-81-89302-33-7

सिम्पलेक्स इंफ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड   भारतीय विद्या मन्दिर

मानव-मूल्य

प्रो. सत्यव्रत शास्त्री

अनुवादक : डॉ. प्रवेश सक्सेना, डॉ. उर्मिला रुस्तगी

मूल अंग्रेजी से हिंदी में अनूदित इस ग्रंथ में भारतीय मानव-मूल्यों अर्थात सामाजिक मानदण्डों अथवा सार्वभौमिक नैतिक मूल्यों का तात्विक निरूपण सरल एवं सर्वग्राह्य भाषा में किया गया है।

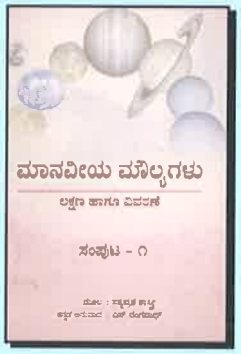

संस्करण : 2015 **पृष्ठ** 304 **मूल्य :** ₹ 550

ISBN : 978-81-89302-52-8

ಮಾನವೀಯ ಮೌಲ್ಯಗಳು

प्रो. सत्यव्रत शास्त्री

अनुवादक : डॉ. एस. रंगनाथन

मूल अंग्रेजी से कन्नड़ में अनूदित इस ग्रंथ में भारतीय मानव-मूल्यों अर्थात सामाजिक मानदण्डों अथवा सार्वभौमिक नैतिक मूल्यों का तात्विक निरूपण सरल एवं सर्वग्राह्य भाषा में किया गया है।

संस्करण : 2014 **पृष्ठ** 209 **मूल्य :** ₹ 200

ISBN : 978-81-89302-47-4

மனிதத்தின் மாண்புகள்

प्रो. सत्यव्रत शास्त्री

अनुवादक : डॉ. राजलक्ष्मी श्रीनिवासन

मूल अंग्रेजी से तमिल में अनूदित इस ग्रंथ में भारतीय मानव-मूल्यों अर्थात सामाजिक मानदण्डों अथवा सार्वभौमिक नैतिक मूल्यों का तात्विक निरूपण सरल एवं सर्वग्राह्य भाषा में किया गया है।

संस्करण : 2015 **पृष्ठ** 320 **मूल्य :** ₹ 450

ISBN : 978-81-89302-56-6

श्री रामकथा की कथा (भाग - 1)

आचार्य सोहनलाल रामरंग

हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं में श्रीराम कथा पर विपुल साहित्य की रचना हुई है। परंतु ऐसी रचनाओं में लोक-रुचि अथवा अन्य कारणों से मूल उपजीव्य की बहुत सी बातें छुटी हुई हैं। इन छूटी हुई बातों अथवा कम कहे गए प्रसंगों को एस ग्रंथ में प्रकाशित किया गया है।

संस्करण : 2015 **पृष्ठ** 380 **मूल्य** : ₹ 600

ISBN : 978-81-89302-46-7

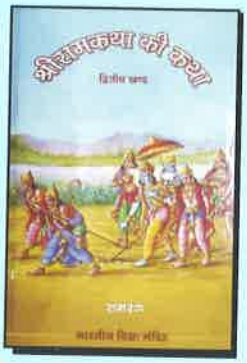

श्री रामकथा की कथा (भाग - 2)

आचार्य सोहनलाल रामरंग

हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं में श्रीराम कथा पर विपुल साहित्य की रचना हुई है। परंतु ऐसी रचनाओं में लोक-रुचि अथवा अन्य कारणों से मूल उपजीव्य की बहुत सी बातें छुटी हुई हैं। इन छूटी हुई बातों अथवा कम कहे गए प्रसंगों को एस ग्रंथ में प्रकाशित किया गया है।

संस्करण : 2015 **पृष्ठ** 381 **मूल्य** : ₹ 600

ISBN : 978-81-89302-50-4

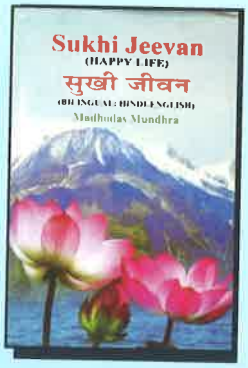

सुखी जीवन (Happy Life)

(Bilingual Hindi-English)

माधोदास मूंधड़ा

भारतीय जीवनधारा में चिंतन के विविध आयामों को प्रस्तुत करने वाली यह पुस्तक, वैसे तो सभी के लिए उपयोगी है परंतु विशेषकर युवा पीढ़ी को अपने नैतिक दायित्व, कर्तव्यनिष्ठा, कार्य-संस्कृति के प्रति लगाव और श्रेष्ठ आचरण व चरित्र निर्माण के प्रति जागरूक और प्रेरित कर सुखी जीवन जीने के लिए विशेष उपयोगी है।

तृतीय संस्करण : 2015 **पृष्ठ** 261 **मूल्य** : ₹ 275

ISBN : 978-81-89302-52-8

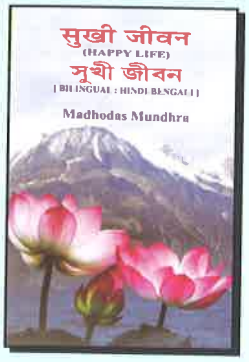

सुखी जीवन (सुखी जीवन)

(Bilingual Hindi-Bangla)

माधोदास मूंधड़ा

भारतीय जीवनधारा में चिंतन के विविध आयामों को प्रस्तुत करने वाली यह पुस्तक, वैसे तो सभी के लिए उपयोगी है परंतु विशेषकर युवा पीढ़ी को अपने नैतिक दायित्व, कर्तव्यनिष्ठा, कार्य-संस्कृति के प्रति लगाव और श्रेष्ठ आचरण व चरित्र निर्माण के प्रति जागरूक और प्रेरित कर सुखी जीवन जीने के लिए विशेष उपयोगी है।

प्रथम संस्करण : 2015 **पृष्ठ** 261 **मूल्य :** ₹ 275

ISBN : 978-81-89302-52-8

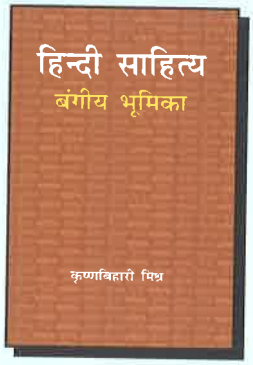

हिन्दी साहित्य : बंगीय भूमिका

संपादक : डॉ. कृष्णबिहारी मिश्र (पद्मश्री)

प्रसिद्ध गद्य शिल्पी पं. कृष्ण बिहारी मिश्र द्वारा संपादित इस ग्रंथ में विद्वान लेखकों, प्राध्यापकों एवं पत्रकारों ने हिंदी के पठन-पाठन, पत्रकारिता, साहित्य-सृजन एवं उसके प्रकाशन में बंगाल की बीज भूमिका को रेखांकित किया है।

संस्करण : 2014 **पृष्ठ** 556 **मूल्य :** ₹ 750

ISBN : 978-81-89302-48-1

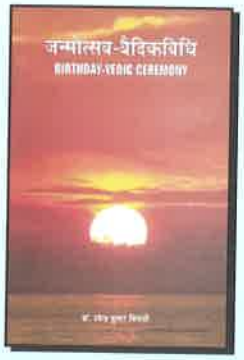

जन्मोत्सव वैदिक विधि

डॉ. उपेन्द्र कुमार त्रिपाठी

प्रस्तुत ग्रंथ में जन्मोत्सव एवं गणपति पूजन विधि के साथ सभी कर्मकांडीय विधियों का रहस्य एवं उसके महत्व पक्ष को उजागर किया गया है। भारतीय संस्कार एवं संस्कृति के संरक्षण में यह पुस्तक अत्यंत उपादेय सिद्ध होगी।

संस्करण : 2014 **पृष्ठ** 59 **मूल्य :** ₹ 150

ISBN : 978-81-89302-49-8

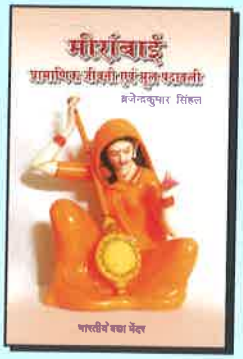

मीरांबाई

(प्रामाणिक जीवनी एवं मूल पदावली)
ब्रजेन्द्रकुमार सिंहल

पूर्व में 'मेरे तो गिरधर गोपाल' नाम से प्रकाशित ग्रंथ का यह परिवर्द्धित संस्करण है। भाषा और स्रोत की प्रामाणिकता के आधार पर मीरांबाई द्वारा रचित मूल पदों के इस संकलन में पदों का मूल और वर्तमान में प्रचलित पाठ देकर उनकी टीका भी की गई है, साथ ही मीरांबाई की जीवनी से संबंधित तथ्यों का विश्लेषण कर तर्कपूर्ण प्रामाणिक आकलन प्रस्तुत किया गया है।

संस्करण : 2012 **पृष्ठ** 584 **मूल्य** : ₹ 900

ISBN : 978-81-89302-41-2

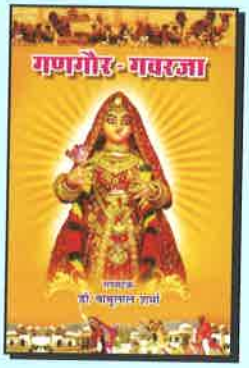

गणगौर-गवरजा

संपादक : डॉ. बाबूलाल शर्मा

प्रस्तुत सचित्र ग्रंथ में राजस्थान के सर्वप्रमुख त्यौहार गणगौर-गवरजा अथवा गौरी पूजन लोकोत्सव के सभी पक्षों यथा पूजा विधि, गीत, इतिहास, परम्परा, मान्यता एवं राजस्थान के विभिन्न अंचलों व अन्य प्रांतों में गवरजा-उत्सव आदि का समावेश करने के उद्देश्य से शास्त्रीय एवं पौराणिक तथा लोकप्रचलित संदर्भों-प्रसंगों का संकलन विभिन्न ग्रंथों व विद्वानों के साथ-साथ उन लोगों द्वारा किया गया है जो इस लोकपर्व के आयोजन में सक्रिय भागीदारी रखते हैं।

द्वितीय संस्करण : 2019 **पृष्ठ** 264 **मूल्य** : ₹ 400

ISBN : 978-81-89302-63-4

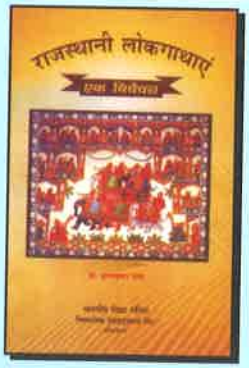

राजस्थानी लोकगाथाएं

डॉ. कृष्णकुमार शर्मा

गाथाएं भारतीय लोकजीवन की अभिन्न अंग हैं। वैदिक काल से ही गाथाओं की परंपरा हमारे यहां विद्यमान है। राजस्थान का लोकसाहित्य अत्यन्त समृद्ध है। प्रस्तुत ग्रंथ में विद्वान लेखक ने राजस्थानी लोकसाहित्य की एक महत्वपूर्ण विधा लोकगाथाओं के स्वरूप तथा उनके साहित्यिक-ऐतिहासिक महत्व की गहन विवेचना की है।

संस्करण : 2010 **पृष्ठ** 311 **मूल्य** : ₹450

ISBN : 978-81-89302-23-8

विश्व की कालयात्रा

डॉ. वासुदेव पोद्दार

प्रज्ञाभारती डॉ. वासुदेव पोद्दार भारतीय विद्या के गहन अध्येता एवं प्रवक्ता हैं। उन्होंने प्रस्तुत ग्रंथ में भारतीय विज्ञान-दर्शन की परम्परा में विश्व की उत्पत्ति, विकास और कालक्रम पर विचार करते हुए भारतीय प्राचीन ऋषियों के इस संबंध में गहन चिंतन-मनन के फलस्वरूप प्राप्त सनातन सिद्धान्तों का आकलन प्रस्तुत किया है। साथ ही वर्तमान में विज्ञान द्वारा उपलब्ध शोध परिणामों एवं अवधारणाओं की तुलनात्मक समीक्षा भी की है।

संस्करण : 2009 **पृष्ठ** 409 **मूल्य :** ₹ 700

ISBN : 978-81-89302-21-4

प्राचीन राजस्थान में वैष्णव धर्म

डॉ. सतीशकुमार त्रिगुणायत

विभिन्न पुरातात्विक साक्ष्यों से ज्ञात होता है कि राजस्थान प्राचीन काल से ही वैष्णव धर्म का एक प्रमुख केन्द्र रहा है और मध्यकाल से यहां लगभग सभी वैष्णव संप्रदाय संरक्षित और विकसित होते रहे हैं। प्रस्तुत शोधग्रन्थ में डॉ. त्रिगुणायत ने विभिन्न ऐतिहासिक एवं साहित्यिक स्रोतों के आधार पर प्राचीन राजस्थान में वैष्णव धर्म के उद्गम एवं विकास का विश्लेषणात्मक वर्णन किया है।

प्रथम संस्करण : 2009 **पृष्ठ** 287 **मूल्य** : ₹ 550

ISBN : 978-81-89302-20-7

श्री ध्रुव चरित्र

आचार्य रामरंग

हृदय को आनन्द से भर देने वाले भावोन्मेष, रससिक्त पद-विन्यास तथा रससिद्ध छंद-अलंकार विधान का अनुभव इस 'श्री ध्रुव चरित्र' को पढ़ते समय पाठक करेंगे और साथ ही सदा कामोद्दीपक चेष्टाओं में रत रहने वाली अप्सराओं के मन में बालक भक्त ध्रुव को देख कर वात्सल्य के संचार जैसी नवीन उद्भावनाओं से चमत्कृत भी होंगे। निश्चय ही यह काव्यकृति ब्रजभाषा की विरल हो रही काव्य-परंपरा को नैरंतर्य देकर समृद्ध करती है।

द्वितीय संस्करण : 2009 **पृष्ठ** 268 **मूल्य** : ₹ 500

ISBN : 978-81-89302-22-1

भारतीय तत्व चिंतन : एक में अनेक

माधोदास मूंधड़ा

भारतवर्ष दर्शन, भाषा, रहन-सहन, भौगोलिक जलवायु, वेश-भूषा सबमें विविधतापूर्ण होते हुए भी एक है, जिसमें अनेकता समाहित है। एक सांस्कृतिक सूत्र में पिरोई हुई उज्ज्वल मणिमाला है— भारतीय तत्व चिंतन। हम एक साथ चलें, एक साथ बोलें एवं समान मन से एक मत होकर अपने लक्ष्य का अनुसरण करें, इसी भाव के सुदृढ़संकल्प को उजागर करता है 'भारतीय तत्व चिंतन : एक में अनेक।'

द्वितीय संस्करण : 2007 **पृष्ठ** 190 **मूल्य** : ₹ 150

ISBN : 978-81-89302-15-9

नागदमण-सांया झूला कृत

(राजस्थानी-डिंगल काव्य)

संपादक : मूलचन्द 'प्राणेश'

17वीं शताब्दी में कविवर सांयाजी झूला द्वारा रचित खण्डकाव्य 'नागदमण' डिंगल-साहित्य की सरस एवं उत्कृष्ट रचनाओं में से एक है। इसमें श्रीकृष्ण की नागदमन लीला के हृदयस्पर्शी चित्रण के साथ-साथ कवि का भक्तिभाव मुग्ध करने वाला है। राजस्थानी साहित्य एवं लोकसाहित्य के मर्मज्ञ विद्वान श्री मूलचन्द 'प्राणेश' ने इस मध्यकालीन काव्य-रचना को सुसम्पादित कर भूमिका में सांयाजी के व्यक्तित्व-कृतित्व एवं 'नागदमण' के काव्य-सौष्ठव पर विस्तृत विवेचन प्रस्तुत किया है।

द्वितीय संस्करण : 2000 **पृष्ठ** 103 **मूल्य** : ₹ 150

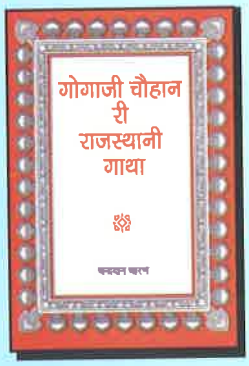

गोगाजी चौहान री राजस्थानी गाथा

संपादक : चन्द्रदान चारण

राजस्थान, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र राज्यों में हिन्दू-मुसलमानों द्वारा पूजित राजस्थान के प्रसिद्ध लोकदेवता गोगाजी चौहान की राजस्थानी गाथा एक ऐतिहासिक तथा सांस्कृतिक महत्व की रचना है जिसे राजस्थानी के विद्वान श्री चन्द्रदान चारण ने सुसम्पादित कर, गोगाजी के समय, वंश, जाति, जीवन और उनकी लोकप्रियता के संबंध में गहन विश्लेषण कर निर्विवाद स्थापनाएं प्रस्तुत की हैं।

संस्करण : 2000 **पृष्ठ** 116 **मूल्य** : ₹ 150

धर्म विजय

(बाबू मुक्ताप्रसाद सक्सेना कृत)

संपादक : सत्यनारायण पारीक

बीकानेर में स्वतंत्रता संग्राम के प्रेरक बाबू मुक्ताप्रसाद सक्सेना (वकील) द्वारा रचित राष्ट्रीय भावनाओं से ओत-प्रोत यह वह नाटक है जिसे सन 1923 में बीकानेर में मंचित किया गया था। तत्पश्चात बीकानेर नरेश द्वारा प्रतिबंधित और 1937 में मुक्ताप्रसादजी को रियासत से निर्वासित कर दिया गया था।

संस्करण : 2000 **पृष्ठ** 88 **मूल्य** : ₹ 100

राजस्थानी लोक महाभारत

(राजस्थानी काव्य)

संपादक : मूलचन्द 'प्राणेश'

'महाभारत' महाकाव्य की कथा से संबंधित राजस्थान में प्रचलित पांडवों की इस लोकगाथा को लोक-मुख से सुनकर संकलित-संपादित किया गया है।

संस्करण : 2000 **पृष्ठ** 103 **मूल्य** : ₹ 150

प्राचीन काव्यों की रूप-परंपरा

अगरचंद नाहटा

अपभ्रंश के विभिन्न काव्यरूपों का आधार लेकर ही हिन्दी काव्य का विकास हुआ। अपभ्रंश-साहित्य के सुप्रसिद्ध शोधक और ग्रंथ-संग्रहकर्ता श्री अगरचंद नाहटा ने इस ग्रंथ में अपभ्रंश के संधि, बारहमासा, फागु, विवाहलो, धवल, वेलि, रेलुआ, पवाड़ा, सत, संवाद, दवावैत, सलोका, ख्याल तथा हियाली संज्ञक काव्यरूपों का विस्तृत परिचय और सारगर्भित विवेचन प्रस्तुत किया है।

द्वितीय संस्करण : 1999 **पृष्ठ** 129 **मूल्य** : ₹ 95

रसो वै सः

माधोदास मूंधड़ा

सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक चेतना के उन्नयन हेतु प्रेरित व स्पन्दित करने में समर्थ, भारतीय धर्म-दर्शन व चिन्तनधारा के विशिष्ट सोपानों से संबंधित यह निबंध संग्रह भारतीय आध्यात्मिकता के मूल को निरूपित करता है।

प्रथम संस्करण : 1998 **पृष्ठ** 165 **मूल्य :** ₹150

ISBN : 978-81-89302-16-7

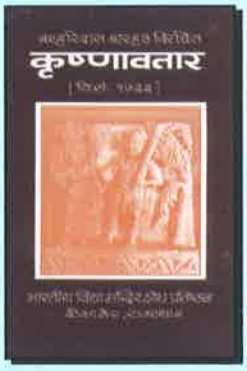

कृष्णावतार

(नरहरिदास बारहठ विरचित)

संपादक : डॉ. बाबूलाल शर्मा - डॉ. मदनलाल माली

पिंगल (ब्रज), डिंगल (राजस्थानी) के सुप्रसिद्ध कवि बारहठ नरहरिदास द्वारा वि. सं. 1733 में पिंगल (ब्रज-राजस्थानी) में रचित 'अवतार चरित्र' अथवा 'विजय अवतार गीता' में विष्णु के चौबीस अवतारों की कथा का सरस काव्यात्मक चित्रण है। इस महाकाव्य की लोकप्रियता का अन्दाजा इसी से लगाया जा सकता है कि राजस्थान में इस ग्रंथ की सर्वाधिक हस्तलिखित प्रतियां उपलब्ध हैं। इस ग्रंथ में से 'कृष्णावतार' को सुसम्पादित कर प्रस्तुत किया गया है।

प्रथम संस्करण : 1994 **पृष्ठ** 263 **मूल्य :** ₹200

ISBN : 978-81-89302-19-1

वामन-विराट

(हिंदी काव्य संग्रह)

कन्हैयालाल सेठिया

राजस्थानी और हिन्दी के सुप्रसिद्ध कवि सेठियाजी की चिन्तनपरक काव्य-कणिकाओं का संकलन।

प्रथम संस्करण : 1991 **पृष्ठ** 80 **मूल्य :** ₹60

छन्द राउ जइतसी रउ

वीठू सूजा कृत (राजस्थानी-डिंगल काव्य)

संपादक : मूलचन्द 'प्राणेश'

16वीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में कवि वीठू सूजा द्वारा अपने आश्रयदाता, बीकानेर के चतुर्थ शासक राव जइतसी की मुगल बादशाह बाबर के पुत्र कामरां पर शौर्यपूर्ण विजय के उपलक्ष्य में रचित ऐतिहासिक काव्य कृति।

प्रथम संस्करण : 1991 **पृष्ठ** 122 **मूल्य :** ₹ 100

रणमल्ल छंद

संपादक : मूलचन्द 'प्राणेश'

हिन्दी-साहित्य के इतिहास में इस कृति का केवल नामोल्लेख ही हुआ करता था तथा इसकी ऐतिहासिकता से बहुत कम परिचय कराया जाता था, लेकिन उस कमी को सुन्दर रीति से संपादित करके प्राणेशजी ने दूर कर दी है। 'रणमल्ल छंद' में विस्तृत भूमिका, मूल पाठ, पाठ भेद और भावार्थ के साथ शब्दकोश भी देकर अपभ्रंश-राजस्थानी साहित्य की बड़ी सेवा की गई है।

प्रथम संस्करण : 1988 **पृष्ठ** 31 **मूल्य :** ₹ 20

मरुधरा रो इतालवी मोभी

श्रीलाल नथमल जोशी

भारतीय विद्या, विशेषकर राजस्थानी भाषा-साहित्य, इतिहास-पुरातत्व, धर्म-दर्शन एवं चारणी साहित्य के गहन शोधकर्ता इटालियन विद्वान डॉ. एल. पी. टैसीटोरी का व्यक्तित्व-कृतित्व।

संस्करण : 1988 **पृष्ठ** 31 **मूल्य :** ₹ 20

मौक्तिक

संपादक : मूलचन्द 'प्राणेश'

बीकानेर(राजस्थान) के तैंतीस कवियों की 45 कविताओं का संकलन जिसमें संस्कृत की 1, हिन्दी की 23 तथा राजस्थानी की 21 रचनाएं है। राष्ट्रीय एवं मानवीय भाव-बोध से संपन्न ये रचनाएं अपने समय को रेखांकित करती हैं।

संस्करण : 1973 **पृष्ठ** 100 **मूल्य :** ₹ 50

अलखिया सम्प्रदाय

संपादक : चन्द्रदान चारण

उन्नीसवीं शताब्दी में राजस्थान में निर्गुण काव्यधारा के प्रभावशाली संत-कवि लालगिरिजी के जीवन और उनकी वाणी तथा उनके द्वारा प्रवर्तित 'अलखिया सम्प्रदाय' से संबंधित शोधपरक कृति।

संस्करण : 1964 **पृष्ठ** 56 **मूल्य :** ₹ 50

अमिय हलाहल मदभरे

संपादक : श्रीगोपाल गोस्वामी

अनूप संस्कृत लाइब्रेरी बीकानेर के हस्तलिखित ग्रंथ 'दोहा रत्नाकर' (राजस्थानी कैटलाग ग्रंथ सं. 43-छ) तथा बिहारी, मतिराम, तुलसी, कबीर, वृन्द, रसलीन, पृथ्वीराज, रहीम आदि कवियों के संग्रहों से संकलित 'आंखों' से संबंधित 422 दोहों का संकलन।

संस्करण : 1962 **पृष्ठ** 195 **मूल्य :** ₹ 150

ISBN : 978-81-89302-21-4

रासो साहित्य और पृथ्वीराज रासो

प्रो. नरोत्तमदास स्वामी

राजस्थानी-हिन्दी साहित्येतिहास के प्रारम्भिक काल में रचित 'रासो' काव्यों के संबंध में संक्षिप्त-सारगर्भित ग्रन्थ।

प्रथम संस्करण : 1962 **पृष्ठ** 183 **मूल्य :** ₹ 150

Bharatiya Vidya Mandir

Registered Office

12/1B, Nellie Sengupta Sarani, Kolkata -700 087, Phone : 033-7100 1614

Library & Publication Division

10, Jawahar Lal Nehru Road, Kolkata - 700 013, Phone : 033-22282155

Branches

Bharatiya Vidya Mandir
Kolkata

Simplex Infrastructures Limited
27, Shakespear Sarani, Kolkata - 700 017
Phone : 033-2301-1504
Contact : 09830559364 (Sri Shankar Lal Somani)
E-mail : shankar.somani@simplexinfra.com

Bharatiya Vidya Mandir
Delhi

Simplex Infrastructures Limited
Baikunth (2nd Floor)
82-83, Nehru Place, New Delhi -110 019
Phone : 011-4944-4200/4300, 4932-1400
E-mail : suresh.pandey@simplexinfra.com

Bharatiya Vidya Mandir
Mumbai

Simplex Infrastructures Limited
502-E, Poonam Chamber, Wing A (5th Floor)
Shivsagar Estate, Dr. Annie Besant Road
Warli, Mumbai - 400 018
Phone : 022-2491-3537/8397, 2492-2064
E-mail : sant.chandak@simplexinfra.com

Bharatiya Vidya Mandir
Chennai

Simplex Infrastructures Limited
48, Kasha Mejor Road, Egmore
Chennai - 600 008
Phone : 044-2819-5050 (5 Lines)
E-mail : s.mundhra@simplexinfra.com

Bharatiya Vidya Mandir
Bikaner

Bharatiya Vidya Mandir Sodh Pratishthan
Ratan Bihari Park, Bikaner - 334 001
Phone : 0151-2542091
E-mail : bvmshodhpratisthanbikaner@gmail.com

सिम्पलेक्स इंफ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड

भारतीय विद्या मन्दिर

INDIAN CULTURE

Encyclopedic Survey in Eight Volumes

Editor : Jaikishandas Sadani *Co-Editor :* Dr. Bithaldas Mundhra

Indian culture has a long history running beyond five millennia. It is one of the oldest outstanding cultures yet quite lively and modern as well. Its amazing continuity has won worldwide praise and appreciation. In the midst of its multidimensional diversity, it has an integrated cultural unity, at its core. Its perennial flow has singled out Indian culture for its uniqueness among world cultures.

Indian culture has always held universality as its aim. It has always kept itself aloof from narrowness whatsoever. Indian culture is vast and hundreds of volumes have been written on the subjects, on which we have taken articles by eminent scholars in their respective fields. Hence these articles are meant for readers who are eager to know about Indian culture and its rich colourful variety presented under a single roof. With these thoughts perambulating in our minds we planned to make an encyclopedic survey of Indian culture under eight categories, presenting before the readership the complex Indian culture seen through the eyes of the scholars. This parameters we present the Panorama of Indian Culture culling the rarest gems of Indian thoughts, like precious gems stringed together in a single garland.

This compendium of articles been blessed by three generations of writers from all over the country and abroad, philosophers, litterateurs art-critics, artists, historians and scientists. They have enriched the volumes by their erudition and wisdom. Indian culture is evolutionary in its very nature. Hence no last word can be said in the field of knowledge "Nothing is final" said Buddha.

Dr. Karan Singh said Indian Culture flowing like Ganges from the Himalayas, is incomparable. Publishing such volumes is a great work akin to Bhagirath in bringing the Ganges on the planes, granting happiness for all, in the spirit of one human family.

2nd Edition : 2010 **Pages :** 3720 **Price :** ₹ 12,000 Per Set of 8 Vol.

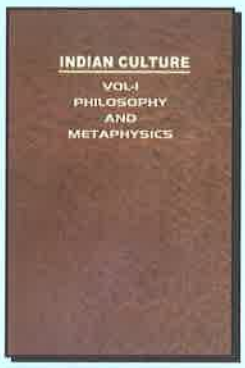

ISBN : 978-81-89302-24-5

Vol. I : Philosophy and Metaphysics

It includes 21 Articles from eminent Scholars –

Dr. R. R. Diwakar
Dr. Vinaya K. Gokak
Rev. FR. Antonie
Dr. D. C. Sircar
Dr. E. A. Soloman
Prof. K. K. Banerjee
Dr. S. K. Ghose
Dr. G. S. Ghurye
B. Chakravarti
Dr. I. Panduranga Rao
Goswami Shyam Manohar ji
Sri J. K. Sadani
Dr. K. S. Murty
Dr. B. Bhattacharya
Dr. S. C. Roy
Dr. S. S. Barlingay
Dr. S. C. Banerji
Swami Atmananda
Dr. K. K. Shastri
Sri M. Govindan
Dr. T. M. P. Mahadevan

2nd Edition : 2010 *Pages : 448*

ISBN : 978-81-89302-25-2

Vol. II : Religion and Ethics

It includes 24 Articles from eminent Scholars –

Dr. Y. S. Shastri
C. B. Swamiji
Dr. Pravin Shah
J. K. Sadani
Dr. R. K. Khan
Dr. Intaj Malek
Dr. A. B. Shivaji
Dr. Alka Bakre
Dr. M. L. Varadpande
Dr. D. P. Bhattacharya
Dr. Sunanda Shastri
Prof. Smt. Amita Dutta
Dr. Prabhakar Machwe
Dr. Bhagchand Jain
Dr. Tan Yun-Shan
Dr. Govindlal Shah
Dr. M. S. Khan
Dr. Jodh Singh
Dr. E. Kolet
Dr. Lokesh Chandra
Dr. Pabitra Kumar Roy
Dr. Lakshmi Devanath
Dr. Nandkishore Acharya

2nd Edition : 2010 *Pages : 456*

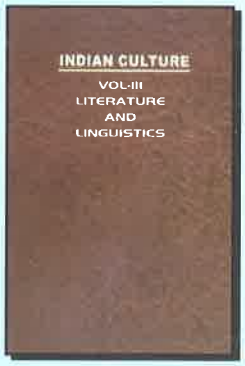

ISBN : 978-81-89302-26-9

Vol. III : Literature and Linguistics

It includes 25 Articles from eminent Scholars –

Prof. B. B. Chaubey
Dr. (Mrs.) Usha Chaudhury
Dr. Tapasvi Nandi
Dr. K. Krishnamoorthy
Dr. Prema Nandakumar
Dr. Satya Ranjan Banerjee
Dr. Ambashankar Nagar
Dr. Sitakant Mahapatra
Dr. Nagendra
Smt. Binoy Rajaram
Sri J. K. Sadani
Dr. Satya Ranjan Banerjee
Dr. Ambashankar Nagar
Prof. K. M. Prabhakara Variar
Dr. Indranath Choudhury
Dr. Ranjana Harish
Dr. Bhabani Bhattacharya
Dr. Satyavrata Shastri
Dr. I. Panduranga Rao
Dr. Sushil Ray
Dr. Haraprasad Mitra
Dr. Kalanath Shastri
Dr. Bandana Mukherjee
Dr. Ramesh Chandra Shah
Dr. A. A. Manavalam
Dr. Indranath Choudhury
Dr. Ranjana Harish
Dr. Bhabani Bhattacharya
Dr. Satyavrata Shastri.
Dr. Ramesh Chandra Shah
Dr. A. A. Manavalam
Dr. Sitakant Mahapatra
Dr. Nagendra
Smt. Binoy Rajaram
Sri J. K. Sadani

2nd Edition : 2010 *Pages : 464*

ISBN : 978-81-89302-27-6

Vol. - IV : Indian Sculpture

It includes 29 Articles from eminent Scholars –

Dr. C. Sivaramamurti
Sri J. K. Sadani
Dr. Karl Khandalawala
Dr. C. Bhattacharya
Dr. Amy G. Poster
Dr. Niranjan Mahawar
Dr. S. S. Biswas
Dr. D. N. Saraf
Dr. M. N. Deshpande
Dr. B. S. Upadhyaya
Dr. R. C. Sharma
Dr. R. C. Agarwala
Smt. Smita J. Baxi
Dr. R. T. Savalia
Dr. Maruti Nandan Tiwari
Dr. I. K. Sharma
Dr. Ratan Parimoo
Dr. Amita Ray
Dr. B. N. Mukherjee
Dr. R. N. Mishra
Dr. A. P. Jamakhedkar
Dr. Grace Morley
Dr. Raju Kalidas
Dr. Shyamalkanti Chakravarti
Dr. R. T. Savalia
Dr. Dolly Mukherjee

2nd Edition : 2010 *Pages : 458*

ISBN : 978-81-89302-28-3

Vol. V : Indian Painting

It includes 24 Articles from eminent Scholars –

Dr. Kapila Vatsyayan
Dr. Karl Khandalavala
Dr. Nilamber Dev Sharma
Dr. Ratan Parimoo
Dr. Chitralekha Singh
Sri Jaikishandas Sadani
Dr. Sipra Chakravarti
Dr. N. R. Banerjee
Sri K. C. Aryan
Prof. Rajaram
Dr. K. G. Subrabaniam
Dr. Shivaji K. Panikkar
Dr. S. K. Andhare
Dr. Sumahendra
Sri Shyamal Kanti Chakravarti
Dr. R. T. Savalia
Dr. Kalyan Kumar Dasgupta
Sri Niranjan Mahawar
Dr. A. S. Bisht
Dr. Abdul Majeed
Dr. Indranath Choudhury

2nd Edition : 2010 *Pages : 532*

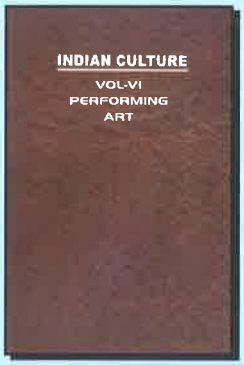

ISBN : 978-81-89302-29-0

Vol. VI : Performing Art

It includes 26 Articles from eminent Scholars –

Dr. Raja Ramanna
Dr. T. S. Parthsarathy
Dr. Venkata Subramanian
Prof. Amitabh Gupta
Ku. Yamini Krishnamurti
Dr. K. Ayyapa Panikker
Nitya Ratna Savitadevi N. Mehta
Dr. Shyamal Kanti Chakravarti
Smt. Mrinalini Sarabhai
Dr. Rita Rani Paliwal
Dr. Premeela Guru Murthy
Dr. Shridhar Andhare
Dr. Smt. Sumati Mutatkar
Prof. R. C. Mehta
Sri. B. Chaitanyadeva
Dr. Sunil Kothari
Prof. Amita Dutt
Oopalee Operajita
N. K. Sivashankaran
Dr. Barnali Mitra
Dr. Kanak Rele
Dr. N. P. Unni
Smt. V. R. Devika

2nd Edition : 2010 *Pages : 454*

सिम्पलेक्स इंफ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड भारतीय विद्या मन्दिर

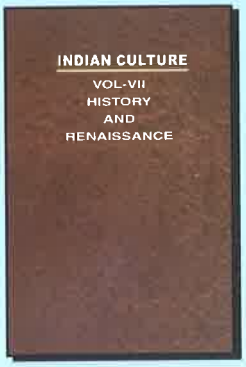

ISBN : 978-81-89302-30-6

Vol.VII : History and Renaissance

It includes 27 Articles from eminent Scholars –

Prof. Sachindra Kumar Maity
Dr. G. M. Bongard-Levin
Dr. Usha Chaudhury
Dr. H. G. Shastri
Dr. V. V. Mirashi
Dr. Atul Tripathi
Prof. Kalyanmal Lodha
Sri Perala Ratnam
Dr. Subhashini Aryan
Dr. Annanda Sankar Ray
Sri Anil Samarth
Dr. Hiralal Chopra
Dr. N. E. Vishvanath Iyyer
Dr. Indranath Choudhury
Dr. K. K. Shastri
Dr. Shyamal Kanti Chakravarti
Sri Jaikishandas Sadani
Dr. R. P. Mehta
Dr. B. N. Sharma
Dr. Eliki Lascarides Zennas
Sri R. K. Khan
Padmashri W. R. Rishi
Dr. Savitri Vishwanathan
Smt. Hemlata Anjaneyulu
Prof Anantrai M. Raval
Dr. R. Shourirajan
Prof. Anupam Nagar

2nd Edition : 2010 *Pages : 436*

ISBN : 978-81-89302-31-3

Vol. VIII : Science and Society

It includes 25 Articles from eminent Scholars –

Dr. A. K. Bag
Dr. Kripa Shankar Shukla
Kaviraj Krishnananda Gupta
Dr. Mrinalkanti Gangopadhyay
Dr. Deviprasad Chattopadhyaya
Dr. H. J. Arnikar
Dr. G. M. Reddy
Dr. (Smt.) Gayatri Rajesh Nagar
Dr. B. D. Nagchaudhuri
Dr. K. R. Srinivasa Iyengar
Dr. K. Subrabamaniam
Dr. Satish C. Seth
Kaviraj Krishnananda Gupta
Dr. Mrinalkanti Gangopadhyay
Dr. Deviprasad Chattopadhyaya
Dr. H. J. Arnikar
Dr. G. M. Reddy
Dr. (Smt.) Gayatri Rajesh Nagar
Dr. B. D. Nagchaudhuri
Dr. K. R. Srinivasa Iyengar
Dr. K. Subrabamaniam
Dr. Satish C. Seth
Dr. Jayanta Vishnu Narlikar
Dr. Debiprasad Duari
Prof. R. S. Singh
Dr. Pandharinath H. Prabhu
Dr. Prabhakar Machwe
Dr. Vasant Gawarikar
Dr. Pankaj Nagar
Dr. R. K. Kutti
Dr. Sangeetha Menon
Dr. Basudev Poddar
Dr. Debmalya Banerjee
Dr. Surendra Kapoor
Prof. R. S. Singh
Dr. Pandharinath H. Prabhu
Dr. Prabhakar Machwe
Dr. Vasant Gawarikar
Dr. Pankaj Nagar
Dr. R. K. Kutti
Dr. Sangeetha Menon
Dr. Basudev Poddar
Dr. Debmalya Banerjee
Dr. Surendra Kapoor

2nd Edition : 2010 *Pages : 472*

2nd Edition : 2010 **Pages :** 3720 **Price :** ₹ 12,000 Per Set of 8 Vol.

KAMAYANI (Bi-Lingual Hindi-English)

Author : JAISHANKAR PRASAD

Translator : JAIKISHANDAS SADANI

Kamayani is a mystic epic with a deep philosophical approach and understanding. It's mysticism strengthens man to discover the totality of his life – a life of Universal love and brotherhood, that is the kingdom of God in men.

Reprint : 2014 **Pages** 477 **Price :** ₹ 900

ISBN : 978-81-89302-44-3

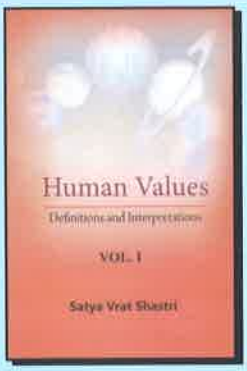

Human Values Defination and Interpretations

Author : PROF. SATYAVRAT SHASTRI

It includes 32 gems of wisdom of ancient traditions of human values and constitute (a) Faith in life (b) Intellectual reflection (c) Enlightment of environment (d) Welfare of others (e) Individual submission. This book clarify different categories of human values that is physical, mental, financial, ethical, social, spiritual and the aesthetic values also.

1st Edition : 2013 **Pages** 264 **Price :** ₹ 395

ISBN : 978-81-89302-45-0

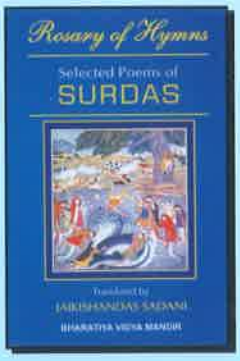

ROSARY OF HYMNS (Bi-Lingual Hindi-English)

Selected poems of SURDAS

Translator : JAIKISHANDAS SADANI

Devotional song of Surdas flow like rivers rushing to mingle in the Rasa Sindhu the ocean of Rasa of Lord Krishna. His blind eyes beheld every human act of love & compassion, transcending into divine bliss.

Reprint : 2009 **Pages** 126 **Price :** ₹ 200

ISBN : 978-81-89302-01-9

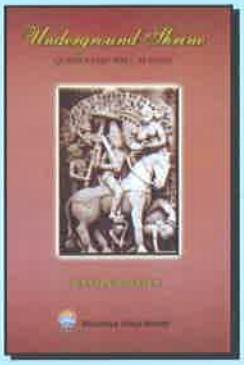

UNDERGROUND SHRINE

Author : JAIKISHANDAS SADANI

A beautiful Step-well in Patan (Gujarat) name 'Rani Ki Bav'. It is one superb piece of art the like of which hardly found anywhere in the world. This book deals with sculptural beauty illustrated with artistic plates.

1st Edition : 2005 **Pages** 112 **Price :** ₹ 200

ISBN : 978-81-89302-39-9

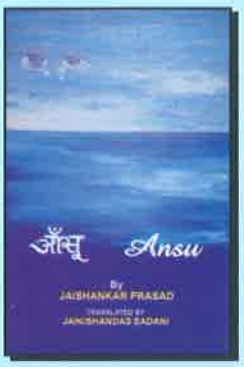

ANSU [Tears] (Bi-Lingual Hindi-English)

Author : JAISHANKAR PRASAD

Translator : JAIKISHANDAS SADANI

Ansu is a subjective alegy giving expression to emotive memories of the beloved whose bereavement caused intense anguish to the poet. In it the poet sublimates his personal sorrow and thereby transmutes physical love into spiritual love.

Edition : 2004 **Pages** 76 **Price** : ₹ 80

ISBN : 978-81-89302-03-5

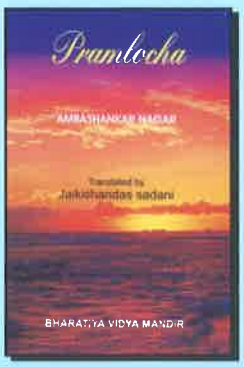

PRAMLOCHA

Author : AMBASHANKAR NAGAR

Translator : JAIKISHANDAS SADANI

This book shows that creator has created woman to thrill, to delight and bring about all round progress.

1st Edition : 2003 **Pages** 126 **Price :** ₹ 130

ISBN : 978-81-89302-02-7

भारत के राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटिल को राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में इंडियन कल्चर (एनसाइक्लोपेडीक सर्वे VIII खण्डों में) को भेंट करते हुए श्री बिट्ठल दास मूंधड़ा एवं अन्य

डॉ. बी. डी. मूंधड़ा पूर्व उपराष्ट्रपति श्री हामिद अंसारी को इंडियन कल्चर (एनसाइक्लोपेडीक सर्वे VIII खण्डों में) भेंट करते हुए साथ में उपस्थित हैं प्रोफेसर सत्यव्रत शास्त्री (पद्मभूषण) एवं श्री एस. एल. सोमानी

कीट विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में प्रो. विट्ठलदास मूंधड़ा को डी. लिट्. की मानद उपाधि देते हुए भारत के उपराष्ट्रपति श्री एम. वैंकैया नायडू एवं ओडिशा के राज्यपाल श्री एस. सी. जामिर एवं साथ में हैं श्री अच्युत सामंता

जनवरी 2018 में त्रिदिवसीय अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में प. बंगाल के महामहिम राज्यपाल केशरीनाथजी त्रिपाठी को शाल ओढ़ाकर अभिवादन करते संस्थाध्यक्ष डॉ. बी. डी. मूँधड़ा

जनवरी 2018 में त्रिदिवसीय अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी सम्मेलन में पधारे साहित्यकारों को अंगवस्त्र व प्रतीक चिह्न भेंट कर सम्मानित करते हुए डॉ. बी. डी. मूँधड़ा, उनके दाएं प्रो. ज्ञानम एवं डॉ. बाबूलाल शर्मा

2017 में क्वांटम फिजिक्स एंड कांससनेस सेमिनार में पुस्तक का लोकार्पण करते हुए
बाएं से– प्रो. सुदीप्तो घोष , महामहिम राज्यपाल (मेघालय) श्री तथागत राय, डॉ. बी. डी. मूंधड़ा एवं स्वामी संवित् सोमगिरिजी

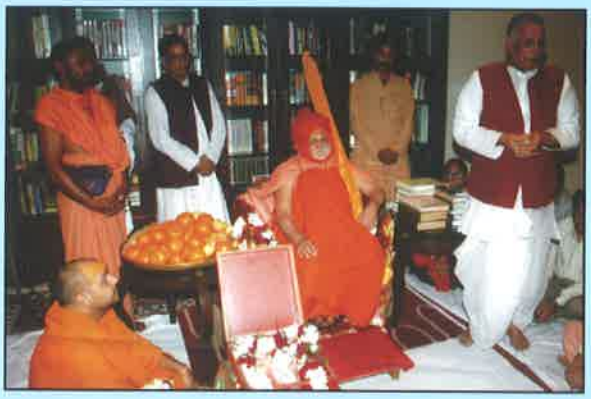

पुरी पीठाधीश्वर श्रीमद्जगद्गुरु शंकराचार्य पूज्यपाद स्वामी श्री निश्चलानन्द सरस्वतीजी महाराज
सिम्पलेक्स हाउस लाइब्रेरी में पधारे, पास में खड़े हैं डॉ. बी. डी. मूंधड़ा

2018 में इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में आयोजित भारतीय संस्कृति उत्सव में
संस्थाध्यक्ष डॉ. मूंधडा को सम्मानित करते उत्तर प्रदेश के महामहिम राज्यपाल राम नाईक जी

भारत के पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी (भारत रत्न) को पुस्तकें भेंट करते हुए
अध्यक्ष डॉ. बी. डी. मूंधड़ा, साथ में समन्वयक श्री शंकर लाल सोमानी

34 वर्षों से निरंतर प्रकाशित

द्वैमासिक शोध पत्रिका

धर्म-दर्शन-विज्ञान, साहित्य-लोकसाहित्य, इतिहास-पुरातत्व, कला-लोककला

अध्यक्ष : डॉ. बिट्ठलदास मूंधड़ा **संपादक :** डॉ. बाबूलाल शर्मा

प्रकाशक :

भारतीय विद्या मन्दिर

12/1 बी, नैली सेनगुप्ता सरणी, कोलकाता-700 087

वार्षिक सदस्यता : ₹ 300, त्रैवार्षिक : ₹ 900, पंचवार्षिक : ₹ 1500

सदस्यता हेतु संपर्क करें : **शंकरलाल सोमानी**, मो. 09830559364